लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या5435

27 अप्रैल, 2015 को उत्त5र के लिए

इस्पात पीएसयू की बाहरी परियोजनाएं

5435. डॉ. वीरेन्द्र कुमार:
श्रीमती पूनम महाजन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन परियोजनाओं का देश-वार ब्यौरा और लागत क्या है जिनमें स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सहित भारतीय सरकारी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की भूमिका है;
(ख) इन परियोजनाओं में नियुक्त व्यक्तियों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या ऐसी परियोजनाओं की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए कोई संयुक्त कार्यकारी समूह गठित किया गया है; और
(घ) यदि हां, तो परियोजना-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्त)र

इस्पातत्और खान राज्यं मंत्री (श्री विष्णुए देव साय)

(क) और (ख) : इंटरनेशनल कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) , जो कि स्टी ल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और अन्य5 प्रवर्तक कंपनियों (यथा राष्ट्री□य इस्पा त निगम लिमिट्रेडएनएमडीसी लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड और एनटीपीसी लिमिटेड) का एक कंसोर्टियम है , ने इस्पात निर्माण की प्रवर्तक कंपनियों के लिए अनिवार्य कच्ची सामग्रियों की दीर्घकालीन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक निवेश के रूप में मोजाम्बिक में एक प्रचालनाधीन कोकिंग कोल खान और दो अन्यि कोयला संपत्तियां अर्जित की है, जिनका मूल्यी 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। वर्तमान में इन परियोजनाओं में 11 भारतीय नियुक्तह हैं।

एनएमडीसी की तंजानिया में सोने की एक परियोजना , लिगेसी आयरन ऑर लिमिटेड, ऑस्ट्रेतलिया में निवेश तथा दक्षिणी अफ्रीका में एक संयुक्ति उद्यम कंपनी है। इन परियोजनाओं में कुल निवेश लगभग 207 करोड़ रुपए का है। वर्तमान में , इन परियोजनाओं में एनएमडीसी से तीन कार्यपालक नियुक्ते हैं।

(ग) और (घ) : जी, नहीं। तथापि, इस प्रकार की परियोजनाओं की व्यकवहार्यता का आंकलन कंपनियों के वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर किया जाता है।

*****